

## उत्तराखण्ड ने चार धाम पर्यटकों पर प्रतिबंध हटाया

### चर्चा में क्यों?

हाल ही में उत्तराखण्ड सरकार ने नरिणय लयिा क<sup>ि</sup>चार धाम यात्रा पर जाने वाले तीरथयात्ररियों की संख्या पर कोई सीमा नहीं होगी, हालाँकि वभिनिन [भूसखलनों](#) के कारण तीरथयात्ररियों का मार्ग अवसुद्ध हो गया है।

- यह यात्रा परतविरष मई में शुरू होकर सतिंबर के प्रथम सप्ताह तक चलती है।

### प्रमुख बढि:

- राज्य सरकार ने धामों के लिए परतदिनि 12,000 तीरथयात्ररियों की सीमा नरिधारति की है, लेकनि 2018 में सुप्रीम कोरट द्वारा नयिुकुत समति ने केदारनाथ के लिए परतदिनि 5,000 तीरथयात्ररियों की सीमा नरिधारति करने की सफिरशि की थी
- वर्ष 2023 के नविशक शखिर सम्मेलन में राज्य सरकार ने बताया क<sup>ि</sup>पर्यटन कषेत्तर राज्य के [सकल घरेलू उत्पाद \(GDP\)](#) में 15% का योगदान देता है।
  - उन्होंने वर्ष 2030 तक कुल 20,000 करोड रुपए का नविश आकषति करने और [सार्वजनकि-नरिजी भागीदारी \(PPP\) मॉडल](#) के माध्यम से 200 परयोजनाएँ शुरू करने की योजना की भी रूपरेखा प्रसुतुत की।

### चार धाम यात्रा

- यमुनोत्तरी धाम:
  - स्थान: उत्तरकाशी जलिा
  - समरुपति: देवी यमुना को
  - यमुना नदी भारत में गंगा नदी के बाद दूसरी सबसे पवतिर नदी है।
- गंगोत्तरी धाम:
  - स्थान: उत्तरकाशी जलिा।
  - समरुपति: देवी गंगा को।
  - सभी भारतीय नदरियों में सबसे पवतिर मानी जाती है।
- केदारनाथ धाम:
  - स्थान: रुदरप्रयाग जलिा
  - समरुपति: भगवान शवि
  - मंदाकनी नदी के तट पर स्थति
  - भारत में 12 ज्योतरिलिगिों (भगवान शवि के दविय परतनिधितिव) में से एक।
- बदरीनाथ धाम:
  - स्थान: चमोली जलिा।
  - पवतिर बदरीनारायण मंदरि का घर।
  - समरुपति: भगवान वषिणु
  - वैषणवों के लिए पवतिर तीरथस्थलों में से एक।